PROGRAME OUTCOMES OF CHOICE BASED B.A. SANSKRIT

- प्रस्तावित संस्कृत पाठ्यक्रम से छात्रों को संस्कृत साहित्य की विपुलता, ज्ञान परम्परा, और प्राचीन शिक्षा के विभिन्न आयामों का ज्ञान हो पायेगा।
- साहित्य मात्र मनोरञ्जन का साधन नहीं अपितु सामाजिक व्यवस्था में एक आनुषिक अंग है, जिसमें रीति- नीति, समन्वय, अविष्कार और परिष्कार के तत्व है, छात्रों को यह जानने में सहायता होगी।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को गैरवमयी भारत के नायकों के जीवन चरित को सूक्ष्मता से समझने का अवसर रहेगा।
- साहित्य रचना में रूचि रखने वाले छात्रों को साहित्य शास्त्र के सिद्धान्तों को समझने उनके प्रयोग और समीक्षात्मक अध्ययन के लिए पर्याप्त ग्रन्थ राशी और आधारभूत ज्ञान मिल पायेगा।
- आयुर्वेद – योग विज्ञान से समबन्धि अध्ययन से शरीर मन और बौद्धिक विकास का पर्याप्त अवसर रहेगा।
- वेद उपनिषद व गीता के अंशो का अध्ययन भारतीय अध्यात्म लोक जीवन व विश्व की प्राचीनतम सभ्यता का उद्घोष है।जिसे छात्र भारतीय मनिषा की उत्कृष्टा से परिचित होंगे।
- नवीनतम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार भारतीय प्राचीन भाषाओं के संरक्षण व समवर्धन के लिये संस्कृत का यह उपक्रम एक सौपान का काम करेगा।
- व्याकरण व भाषा विज्ञान का अध्ययन संस्कृत भाषा के सौष्ठव संरचना व वैज्ञानिकता को समझने में महत्वपूर्ण भुमिका का निर्वहन करेगा।
- इस पाठ्यक्रम के द्वारा संस्कृत साहित्य के इतिहास को समझने में भी सरलता रहेगी।

Principal
Govt. Post Graduate College
Nagrota Bagwan (Kangra)

पाठ्यक्रम संप्राप्ति (course outcome) B.A. Sanskrit First Year

Sr. no क्र. सं.	Subject code विषय कूट	Subject name विषय का नाम	Subject category (DSC,DSE ,SEC)	COURSE OUTCOME (पाठ्यक्रम सम्प्राप्ति)
1.	SKT-DSC-101	संस्कृत काव्य	DSC	इस पाठ्यक्रम से छात्र संस्कृत महाकाव्य परम्परा, जीवन के लिये आवश्यक नीति व नीतिगतसाहित्य तथा महान कवियों के जीवन चरित का अधिगमन कर पायेंगे।
2.	SKT-DSC-102	संस्कृत गद्य काव्य	DSC	इस पाठ्यक्रम से छात्रो को संस्कृत साहित्य में प्रचलित गद्य काव्य की परम्परा तथा उनके रचयिता कवियों के विषय में जानकारी प्राप्त होगी।
3.	SKT-DSC-103	नीति साहित्य	DSC	भारतीय ज्ञान परम्परा में जीवन को सरलता से जीने के लिये मनीषियों ने बहुत से नीति ग्रन्थों की रचना की है जिसका परिशीलन छात्रों को लाभान्वित करेगा।
4.	SKT-AECC-104	उपनिषद गीता तथा पाणिनीय शिक्षा	AECC	संस्कृत भाषा विज्ञान का प्रमाणित ग्रन्थ तथा दर्शन व अध्यात्म का यह समुच्चय भाषा के सौष्ठव और आत्मिक शान्ति व सद्गुणों का सम्वादक है।

पाठ्यक्रम संप्राप्ति (course outcome)B.A. Sanskrit Second Year

Sr. no क्र. सं.	Subject code विषय कूट	Subject name विषय का नाम	Subject category (DSC,DSE ,SEC)	COURSE OUTCOME (पाठ्यक्रम सम्प्राप्ति)
01.	SKT-DSC-201	संस्कृत नाटक	DSC-IC	संस्कृत साहित्य में नाटक की प्राचीनतम और विशाल परम्परा, लेखन , अभिविन्यास व उद्देश्य से छात्र अवगत हो पायेंगे। तथा वर्तमान में अभिव्यापक उच्छृंखल व अमर्यादित नाटकों (सीरियल) में अन्तर कर पायेंगे।
02	SKT-DSC-202	संस्कृत व्याकरण	DSC-ID	भाषा के विशुद्ध प्रयोग का आधार व्याकरण ही होता है। संस्कृत भाषा की विशिष्टता और वैज्ञानिकता का आधार इसकी वृहत् व्याकरण परम्परा ही है। भाषा के सिद्धान्त के साथ साथ छात्र अन्य भाषाओं के व्याकरण से भी तुनलात्मक अध्ययन के आधार पर संस्कृत व्याकरण की विशिष्टता को जान पायंगें।
03	SKT-DSC-203	व्याकरण एवं संयोजन	MIL-CORRE-2	इस पाठ्यक्रम से छात्र संस्कृत भाषा की संरचना व संघटना को अधिगमन कर स्वयं से भाषा प्रयोग लेखन व विचाराभिव्यक्ति में सफल हो पायेंगे।
04	SKT-AEEC-205	आयुर्वेद के मूल सिद्धान्त	SEC-1	संस्कृत साहित्य जीवन के सभी उपक्रमों का विपुल ज्ञान भण्डार है। यहाँ चिकित्सा विज्ञान भी साहित्य का ही आनुषिक अङ्ग है। इस पाठ्यक्रम से छात्र भारत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति से परिचित होंगे तथा स्वयं के सर्वाङ्गिण विकास के महत्व को समझ पायेंगे
05	Skt-AEEC-206	संस्कृत छन्द एवं गायन	SEC-2	संस्कृत साहित्य की अनश्वर कीर्ति का आधार उसकी छन्द परम्परा है। गायन विधि के द्वारा विषय को स्थायित्व मिलता है जिससे याद करने की भी सरलता रहती है। छात्र इस विषय को रुचिपूर्वक छन्द विधान को अधिगमित करेंगे।

पाठ्यक्रम संप्राप्ति (course outcome) B.A. Sanskrit THIRD YEAR Year

Sr. no क्र. सं.	Subject code विषय कूट	Subject name विषय का नाम	Subject category (DSC,DSE ,SEC)	COURSE OUTCOME (पाठ्यक्रम सम्प्राप्ति)
01	SKT-DSE-301	व्यक्तित्व विकास का भारतीय दृष्टिकोण	DSE-1A	भारतीय शिक्षा प्रणाली त्रिविध विकास अर्थात् दैहिक दैविक तथा भौतिक विकास की पोषक रही है, जिसके लिये व्यक्तित्व विकास मूल है अतः इस अवधारणा के पुष्ट करते हुये यह पाठ्यविषय बहुत उपयोगी है।
02	SKT-DSC-302	साहित्य समालोचना	DSE-1B	साहित्य ज्ञान व रचनाकर्म के इच्छुक विद्यार्थियों के लिये यह पाठ्यक्रम बहुत लाभप्रद है। वर्तमान में जिस प्रकार दुष्ट साहित्य की प्रवृति बढ़ रही है उसमें कम से कम मर्यादा और अमर्यादा की तुलना का अवसर रहेगा। साथ ही विद्यार्थी काव्य निबन्धन के सूत्रों को भी समझ पायेंगे।
03	SKT-GE-303	पातञ्जल योग सूत्र	GE-1	यह ग्रन्थ विश्व भर में अपनी उपादेयता के लिये प्रतिष्ठित हो चुका है। इसकी महता अध्ययन और अधिग्रहण का अवसर कई आयामों से शिक्षार्थियों को तुष्ट व पुष्ट करेगा।
04	SKT-GE-304	भाषा विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त	GE-2	इस पाठ्यक्रम से छात्र भाषा विज्ञान के पाश्चात्य वैश्विक व भारतीय सिद्धान्तों को समतुल्यता से जान पायेंगे तथा वैश्विक भाषिक वर्गीकरण को स्पष्टता से अधिगमित करेंगे।
05	SKT-AEEC-305	भारतीय रंगशाला	SEC-3	साहित्य समाज का दर्पण है। तथा उसकी अभिव्यक्ति के लिये रंगमंच सबसे सशक्त माध्यम है। भरतमुनी से लेकर अब तक की इस अजस्र परम्परा के साथ साथ अभिनयकर्म रंगशाला निर्माण व अभिनेताओं के गुणों का अभिविन्यास रंगमंच व अभिनय के क्षेत्र में रुचि रखने वालों के लिये यह उपक्रम बहुत ही रोचक व लाभ प्रद है।
06	SKT-AEEC-306	भारतीय वास्तुशास्त्र	SEC-4	संस्कृत साहित्य के विभिन्न उपाङ्गों में गृह निर्माण विज्ञान का अपना ही महत्व है। इस विषय में बहुत ही उपयोगी व प्रयोगात्मक शिल्पविज्ञान का भण्डार है। इसके अध्ययन से छात्रों को भारतीय शिल्पविज्ञान परम्परा को महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने का अवसर रहेगा

Principal
Govt Post Graduate College
Nagrota Bagwan (Kangra)